Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
   (Name) _____
2. (Signature) _____
   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D-9109

Test Booklet No.

Time : **1 $^{1}/_{4}$** hours]

PAPER-II
PRAKRIT

[Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **12**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered in the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **Answer Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and OMR Answer sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **Negative Marking :- For each incorrect answer, 0.5 marks shall be deducted.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये उत्तर-पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं OMR उत्तर-पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **नेगेटिव अंक प्रणाली : प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 0.5 अंक काटे जाएँगे ।**

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** multiple choice questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** of them.

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पण्णासा (50)** बहु-विकप्पियाणि पण्हाणि संति । पत्तेगं पण्हं **दुवे (2)** अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. The name of the first chapter of Āyaranga Sutta is :
आयारंग सुत्तस्स पढमज्झयणस्स इमं णामं अत्थि
'आयारंग सुत्त' के प्रथम अध्ययन का नाम है :

(A) उवहाण (B) महापरिण्ण
(C) वमोक्खे (D) सत्थपरिण्ण

2. 'Namipavvajja Ajjhayanam' is found in this work.
'णमिपव्वज्जा अज्झयणं' इमम्मि गंथे वण्णिदो अत्थि ।
'णमिपव्वज्जा अज्झयणं' इस ग्रंथ में वर्णित है ।

(A) सुयगडंगसुत्ते (B) उत्तरज्झयण सुत्ते
(C) अणयोगदार सुत्ते (D) ठाणंग सुत्ते

3. The author of the work Pav̇ayaṇa-sāra is :
पवयणसार गथस्स लेहगो अत्थि :
पवयणसार ग्रंथ के लेखक हैं :

(A) समन्तभद्र (B) हरिभद्र
(C) कुन्दकुन्द (D) वसुनंदि

4. The subject matter of 'Davva-Sangaho' is :
'दव्वसंगहो' गंथस्स वण्ण-विसयमत्थि :
'दव्वसंगहो' ग्रंथ में वर्णित विषय :

(A) स्याद्वाद (B) अनेकान्त
(C) जैन अध्यात्म (D) षड् द्रव्य

5. 'चारित्तं खलु धम्मो.....' is found in this work :
'चारित्तं खलु धम्मो.....' पदं इमम्मि गंथे अत्थि ।
'चारित्तं खलु धम्मो.....' पद इस ग्रंथ में है ।

(A) पवयणसारे (B) आयारंगसुत्ते
(C) उत्तरज्झयण सुत्ते (D) समयसारे

6. The number of Atthikāyas are :
अत्थिकाय-भेद-पयारं संति :
अत्थिकाय-भेद-प्रकार ये हैं :

(A) चार भेद-प्रकार (B) पांच भेद-प्रकार
(C) छह भेद-प्रकार (D) सात भेद-प्रकार

7. The date of the work Davva-Saṅgaho is
दव्वसंगहस्स रयणा-कालं अत्थि :
दव्वसंगहो ग्रंथ का रचना काल है :

(A) आठवीं सदी (B) पांचवीं सदी
(C) दसमी सदी (D) चौथी सदी

8. The name of the author of सन्मतितर्कप्रकरण is :
सन्मतितर्कप्रकरण - गंथस्स लेहगो अत्थि :
सन्मतितर्कप्रकरण - ग्रंथ के लेखक हैं :

(A) जिनसेन (B) सिद्धसेन
(C) संघसेन (D) रविषेण

9. This work is written in Śauraseni-Prakrit :
सोरसेणी पाइय-भासा गंथो अत्थि :
शौरसेनी-प्राकृत का यह ग्रंथ है :

(A) समराइच्चकहा (B) गउडवहो
(C) गाहासत्तसई (D) समयसारो

10. 'Sanmati-tarka-Prakarna' is also known as "
'सन्मतितर्कप्रकरण' गंथस्स अवर णामं इमो अत्थि :
'सन्मतितर्कप्रकरण' ग्रंथ के अपर नाम यह है :

(A) सम्यक्त सप्तति (B) सम्मइणाह-चरियं
(C) समयसारो (D) सम्मइसुत्तं

11. 'णायकुमारचरिउ' is written in this language :
'णायकुमारचरिउ' इत्तस्स भासा इमा अत्थि :
'णायकुमारचरिउ' – इस भाषा में लिखित है :

(A) शौरसेनी-प्राकृत (B) महाराष्ट्री-प्राकृत
(C) मागधी-प्राकृत (D) अपभ्रंश

12. The great poet Puspadanta is author of this work :
महाकई पुप्फदंतस्स विरचिदा रयणा इमा अत्थि :
महाकवि पुष्पदंत विरचित ग्रंथ यह है :

(A) जंबूसामिचरिउ (B) णायकुमारचरिउ
(C) मेहेसर-चरिउ (D) करकंडचरिउ

13. 'त्' becomes 'द्' in this Prakrit :
इमा पाइय-भासये 'त्' कारस्स 'द' कारो होदि
इस प्राकृत में 'त' के स्थान में 'द' होता है

(A) अर्धमागधी (B) शौरसेनी
(C) मागधी (D) महाराष्ट्री

14. The number of Painnas are :
पइण्णाण संखा इमा अत्थि :
पइण्णा की संख्या इतनी है :

(A) दस (B) छह
(C) चार (D) बारह

15. Read the units I and II for correct match :
पढम-बियखण्डाणं मेलणं पढ :
प्रथम और द्वितीय खण्डों के सही मिलान के लिए पढ़िये :

	I		II
(a)	रामपाणिवाद	(i)	अंजणापवणंजय
(b)	रुद्रदास	(ii)	कर्पूरमंजरी
(c)	राजशेखर	(iii)	चंदलेहा
(d)	हस्तिमल्ल	(iv)	कंसवहो

Write the correct answer / सुद्धु उत्तरं लिह / सही उत्तर लिखिए

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(C)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(D)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

16. The works of Kunda Kundacārya are :
कुंदकुंदायरियस्स गंथा इमा संति :
कुंदकुंदाचार्य के ये ग्रंथ हैं :
(A) कुवलयमाला, रंभामंजरी, सुरसुंदरीकहा
(B) पवयणसारो, समयसारो, पंचत्थिकाय
(C) समराइच्चकहा, धूर्ताख्यान, लीलावई
(D) वसुदेवहिण्डी, मूलाचार, मूलाराधना

17. 'चत्तपुत्त-कलत्तस्स निब्बावारस्स भिक्खुणो'
This quotation is found in this āgama-work :
इदं उद्धरणं अस्सागमस्स अत्थि :
उक्त उद्धरण इस आगम में है :
(A) आयारंग-सुत्ते (B) ठाणंग-सुत्ते
(C) उत्तरज्झयण-सुत्ते (D) सूयगडंग-सुत्ते

18. The subject-matter of the first chapter of Pravacana-sāra is :
प्रवयणसारस्स पढमाहिगारस्स वण्ण-विसयं अत्थि :
प्रवचनसार के प्रथमाधिकार में वर्णित विषय यह है :
(A) विनय-स्वरूप (B) अणुव्रत-स्वरूप
(C) ज्ञान-स्वरूप (D) त्रिलोक-स्वरूप

19. Place of Hātigumphā inscription is :
हाथीगुम्फा-सिलालेहस्स उवलब्धिठाणं अत्थि :
हाथीगुम्फा-शिलालेख का उपलब्धि स्थान है :
(A) पाटलिपुत्र (B) वाराणसी
(C) उज्जयिनी (D) उदयगिरि-खंडगिरि

20. The subject matter of the epic 'Setubandha' is -
सेतुबन्ध महाकव्वस्स वण्ण-विसयं अत्थि :
सेतुबन्ध-महाकाव्य की विषय-वस्तु है
(A) पाण्डव-कथा (B) राम-कथा
(C) कृष्ण-कथा (D) परशुराम-कथा

21. The author of the eipic Setubandha is :

सेतुबन्ध-महाकव्वस्स लेहगो इमा अत्थि :

सेतुबन्ध-महाकाव्य के लेखक ये हैं :

(A) महाकवि-कालिदास

(B) महाकवि-उद्योतनसूरि

(C) महाकवि-पुष्पदन्त

(D) महाकवि-प्रवरसेन

22. The Literary form of Kuvalayamalakaha is :

कुवलयमालाकहा इत्तस्स साहित्त-विहा-रयणा अत्थि :

कुवलयमालाकथा इस साहित्यविद्या की रचना है :

(A) महाकाव्य (B) खण्डकाव्य

(C) चम्पूकाव्य (D) नाटक

23. 'Kuvalayamāla-Kaha' belongs to this type of narrative form :

'कुवलयमालाकहा' इत्तस्स गंथस्स कहा-पयारं इमं अत्थि :

'कुवलयमालाकथा' इस ग्रंथ का कथाप्रकार यह है :

(A) सकल-कथा (B) खण्ड-कथा

(C) परिहास-कथा (D) संकीर्ण-कथा

24. This is not a Sṭṭaka :

इमा सट्टका णत्थि :

यह सट्टक नहीं है :

(A) रम्भा-मञ्जरी (B) सिंगार-मञ्जरी

(C) कर्पूर-मञ्जरी (D) कादम्बरी

25. The form of कर्पूरमंजरी is

कर्पूरमंजरी अस्सविहा-रयणा अत्थि :

कर्पूरमंजरी इस विधा की रचना है :

(A) रूपक (B) नाटक

(C) सट्टक (D) प्रहसन

26. These are the Prakrit Kośas :

पाइय-कोस-गंथा सन्ति :

प्राकृत-कोश ग्रंथ हैं :

(A) कविदर्पण, प्राकृतपैंगलम्, प्राकृत-सर्वस्व

(B) देसीनाममाला, पाइयलच्छीमाला, पाइयसद्दमहण्णवो

(C) प्राकृतरूपावतार, षट्भाषाचन्द्रिका, समवायंग

(D) तरंगलोला, अट्ठपाहुड, गोम्मटसार

27. This is not a Prakrit metrical work :

पाइय-छंद-गंथो णत्थि :

प्राकृत-छन्द ग्रन्थ नहीं है :

(A) वृत्तजातिसमुच्चय

(B) प्राकृत-पैंगलम्

(C) वसुदेवहिण्डी

(D) कवि-दर्पण

28. 'शुदं मए जे वि किल शत्तुं वावादअंतं पेक्खदि तश्श अण्णश्शिं जम्मंतले अक्खिलोगे ण होदि'

This prose piece is found in this work :

उत्त गज्जंसं अम्हि गंथे पत्तं अत्थि

उक्त गद्यांश इस ग्रन्थ में मिलता है -

(A) कुवलयमाला

(B) आणंदसुंदरीकहा

(C) मृच्छकटिकनाटकम्

(D) कपूर्मञ्जरी

29. Following are the Ardhamāgadhī Āgama works :

अहोलिहिदा अद्धमगदी आगमग्रंथा संति :

अधोलिखित अर्द्धमागधी आगम ग्रंथ हैं :

(A) महावीरचरियं, पासणाहचरिउ, सिरिसिरिवालचरिउ

(B) रयणसेहरीणिवकहा, कुवलयमाला, जिणदत्तक्खाण

(C) अट्ठपाहुडं, बारिसाणुवेक्खा, संवेगरंगसाला

(D) उवासगदसंगसुत्तं, ठाणंग-सुत्तं, आयारंगसुत्तं

30. These are works of Ācārya Gunadhara – Vattakera and Svami Kartikeya respectively :
आयरिय-गुणधर - वट्टकेर – सामिकत्तिगेयाणं गंथाणि कमसो एयपयारेण संति -
आचार्य गुणधर वट्टकेस स्वामिकार्त्तिकेय के ग्रन्थ क्रम से इस प्रकार हैं -
(A) मूलाचार, कसायपाहुड, कार्त्तिकेयानुप्रेक्षा
(B) कसायपाहुड, मूलाचार, कार्त्तिकेयानुप्रेक्षा
(C) कार्त्तिकेयानुप्रेक्षा, कसायपाहुड, मूलाचार
(D) मूलाचार, कार्त्तिकेयानुप्रेक्षा, कसायपाहुड

31. आदाणाणपमाणं णाणं णेयप्पमाणमुद्दिट्ठं ।
णेयं लोयालोयं तम्हा णाणं तु सव्वगयं ।।
The above gāthā is found in this work :
इमा गाहा इमम्मि गंथे लिहिदमत्थि :
उक्त गथा इस ग्रंथ में लिखित हैं :
(A) उत्तरज्झयणसुत्त-गंथे (B) दव्वसंगह-गंथे
(C) सेउबंधमहाकव्वे (D) पवयणसार-गंथे

32. These are the five Astikāyas :
पंच अत्थिकाया इमे संति :
पांच अस्तिकाय ये हैं :
(A) जीव, अजीव, आस्रव, संवर, निर्जरा
(B) जीव, पुग्दल, धर्म, अधर्म, काल
(C) जीव, पुग्दल, धर्म, अधर्म, आकाश
(D) जीव, अजीव, पुण्य, पाप, मोक्ष

33. The language Of Līlāvavī -Kahā is :
लीलावईकहा गंथस्स भासाइमा अत्थि :
लीलावईकहा ग्रंथ की भाषा यह है :
(A) शौरसेनी (B) महाराष्ट्री
(C) पैशाची (D) अर्धमागधी

34. These are the important narrative works in Prakrit literature ”û
पइय साहित्ते पमुह पाइय-कहा गंथ इमे संति :
प्राकृत साहित्य के प्रमुख प्राकृत-कथा ग्रन्थ ये हैं :
(A) षट्खण्डागम, कषायपाहुड़, मूलाचार
(B) नियमसार, अष्टपाहुड, गोम्मटसार
(C) वज्जालग्गं, निर्वाणकाण्ड, धर्मरसायण
(D) समराइच्चकथा, कथारत्नकोष, वसुदेवहिण्डी

35. This is the link language between Prakrit and modern Indo-Āryan languages :
पाइय-भासाअ आहुणिय भारदस्स अज्ज भासा संयोजगा भासा इमा अत्थि
प्राकृत भाषा आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं को जोड़नेवाली कड़ी यह है :

(A) वैदिक (B) संस्कृत
(C) पालि (D) अपभ्रंश

36. Following is the statement of :
अहोलिहिदं कथणं कस्स :
निम्नलिखित कथन किसका है :
"प्रकृति: संस्कृतम् तत्र भवं तदागतं वा प्राकृतम्" :

(A) चण्ड (B) मार्कण्डेय
(C) हेमचन्द्र (D) लक्ष्मीधर

37. The main Charectaristic of Māgadhi Prakrit is the replacement of स्, ष् and श् by
मगही - पाइयस्स पमुह लक्खणं 'स्, ष्, श्' - इमे ठाणे होइ :
मागधी प्राकृत में 'श्, ष्, स्' के स्थान पर यह होता है :

(A) श् (B) ष्
(C) स् (D) ह्

38. Prakrit language belongs to this family of languages :
पाइय भासा इमा भासा-परिवारस्स अत्थि :
प्राकृत भाषा इस परिवार की भाषा है :

(A) सेमेटिक भाषा परिवार
(B) भारोपीय भाषा परिवार
(C) प्राचीन भारतीय आर्य-भाषा-परिवार
(D) हैमेटिक भाषा परिवार

39. The Sanskrit word 'कथयति' becomes 'कधेदि' in prakrit according to this sūtra :
सक्किद-भासाअ 'कथयति' सद्दस्स ठाणे पाइय सद्द 'कधेदि' अणेण सुत्तेण होदि :
संस्कृत के 'कथयति' शब्द के स्थान पर प्राकृत शब्द 'कधेदि' इस सूत्र से होता है :

(A) स्थ चिट्ठा (B) थो धा
(C) मो वा (D) भुवो भ

40. This is the example for initial consonant becoming a vowel :
आदि-सुरागमस्स उदाहरणं अत्थि :
आदि स्वर आगम का उदाहरण है :

(A) सरिआ (B) होति
(C) थाणु (D) इत्थी

41. In instrumental case plural of the word becomes :
'देव' सद्दस्स तइया विहत्तीए बहवयणे इमो रुवो होइ :
'देव' शब्द की तृतीया विभक्ति में बहुवचन का यह रूप होता है :

(A) देवत्तो (B) देवो
(C) देवेहि (D) देवस्स

42. Match the suitabally the I group with the II group
पढम गंथ सूइए वीय गंथ सूईए मेलणं कुज्जा
प्रथम ग्रन्थ सूची से दूसरी ग्रन्थ सूची को सुमेलित करें

(i)	उवसग्गहर थोत्तं	(क)	छन्द
(ii)	रयणावलि	(ख)	स्तोत्र
(iii)	प्राकृतसर्वस्व	(ग)	कोश
(iv)	प्राकृत पैंगलम्	(घ)	व्याकरण

(A) (i) ख (ii) ग (iii) घ (iv) क
(B) (i) क (ii) ख (iii) ग (iv) घ
(C) (i) ग (ii) घ (iii) क (iv) ख
(D) (i) घ (ii) क (iii) ख (iv) ग

43. The script of Ashakan inscription found at Girinar is :
गिरिणारे उवलद्ध-असोगस्स अहिलेहाण लिवि इयं अत्थि :
गिरिनार में उपलब्ध अशोक के अभिलेखों की लिपि यह है :

(A) गुजराती-लिपि (B) कुटिल-लिपि
(C) ब्राह्मी-लिपि (D) शारदा-लिपि

44. The hero of Hātigumpha inscription is :
हाथीगुम्फा-सिलालेहस्स णायगो अत्थि :
हाथीगुम्फा शिलालेख का नायक था :

(A) सम्राट विक्रमादित्य (B) सम्राट सातवाहन
(C) सम्राट चन्द्रगुप्त (D) सम्राट खारवेल

45. In which inscription धम्मे-साधु words are found ?
'धम्मे साधु' पयं कस्स अहिलेहस्स अंसो अत्थि ?
'धम्मे साधु' पद किस अभिलेख का अंश है ?

(A) सम्राट् खारवेल अभिलेखे
(B) सम्राट् अशोक अभिलेखे
(C) सम्राट सातवाहन अभिलेखे
(D) महाराजा कक्कुक अभिलेखे

46. Read the unit I and II for correct match :
पढ़म-वियखण्डाणं सुद्धु मेलनं पढ् :
प्रथम एवं द्वितीय खण्डों के सही मिलान के लिए पढ़िये :

	I		II
(a)	कुन्दकुन्द	(i)	णायकुमारचरिउ
(b)	सिद्धसेन	(ii)	द्रव्यसंग्रह
(c)	पुष्पदन्त	(iii)	सन्मतितर्क
(d)	नेमिचन्द्र	(iv)	प्रवचनसार

Write the correct answer / सुद्धु उत्तरं लिह / सही उत्तर लिखें :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

47. The name of the country 'भरधवस' is found in this inscription :
'भरधवस' देसस्स णामं इमम्मि अहिलेहे उवलद्धो अस्थि :
'भरधवस' देश का नाम इस अभिलेख में उपलब्ध है :

(A) गिरनार-अभिलेख (B) घटियाल-अभिलेख
(C) हाथीगुम्फा-अभिलेख (D) मथुरा-अभिलेख

48. The language of Hātigumphā inscription is -
हाथीगुम्फासिलालेहस्स भासा अत्थि -
हाथीगुम्फा शिलालेख की भाषा है -

(A) संस्कृत (B) प्राकृत
(C) अपभ्रंश (D) उड़िया

49. The language of Ashokan inscription of Girmar is
गिरिणारे उवलद्धं असोगस्स अहिलेहाण भासा अत्थि -
गिरिनार में उपलब्ध अशोक के अभिलेखों की भाषा है -

(A) सोरठी (B) संस्कृत
(C) अपभ्रंश (D) प्राकृत

50. The script of Khāravela inscription is -
खारवेल-सिलालेहस्स लिवि इमा अत्थि -
खारवेल शिलालेख की लिपि यह है -

(A) उड़िया (B) कुटिल
(C) ब्राह्मी (D) खरोष्ठी

Space For Rough Work